रुचियाँ एवं उनका विकास

शिव प्रताप श्रीवास्तव

रूचि व्यक्तित्व का अंग है। रूचि एक प्रभावपूर्ण अनुभव या प्रेरक शक्ति की भाँति है जो ध्यान को किसी व्यक्ति वस्तु अथवा क्रिया की ओर उन्मुख करती है। इसमें अपनी ही सक्रियता के कारण उत्तेजना उत्पन्न होती हैं। रूचि एक मानसिक संरचना है जो व्यक्ति एवं वस्तु के प्रति सम्बन्ध जोड़ती हैं। रुचि एक आन्तरिक प्रेरक शक्ति है, जो हमें ध्यान देने के लिए किसी वस्तु, व्यक्ति या क्रिया के प्रति प्रेरित करती है। रूचि को सामान्य अर्थों में सम्बन्ध की भावना भी कहते हैं। रूचि व्यक्तित्व का अंग है। रूचि एक प्रभावपूर्ण अनुभव या प्रेरक शक्ति की भाँति है जो ध्यान को किसी व्यक्ति वस्तु अथवा क्रिया की ओर उन्मुख करती है। इसमें अपनी ही सक्रियता के कारण उत्तेजना उत्पन्न होती हैं। रूचि एक मानसिक संरचना है जो व्यक्ति एवं वस्तु के प्रति सम्बन्ध जोड़ती हैं।